वार्षिक प्रतिवेदन

2012 - 13

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

(प्रवर्तक : भारतीय स्टेट बैंक)

प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन 2012-13

निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

अंकेक्षकों का प्रतिवेदन

तुलन पत्र एवं

02 नवम्बर 2012 से 31 मार्च 2013 में समाप्त वर्ष का लाभ-हानि खाता

प्रधान कार्यालय :

18, न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड

पिन : 248001

फोन/कोड: 0135-2710660, 2710661 फैक्स: 0135-2710662

ईमेल : ugb_dun@rediffmail.com

वेबसाईट : www.uttarakhandgraminbank.com

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

''बैंक का दृष्टिकोण''

कार्य में उत्कृष्टता एवं पारदर्शिता, ग्राहकोन्मुखी सेवा, क्षेत्र में विकास हेतु नवोन्मेषी अवधारणाओं के साथ निरन्तर लाभार्जन करते हुये ''उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक'' को उत्तराखण्ड राज्य का ''उत्तम बैंक'' बनाना।

अध्यक्ष की कलम से

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक का सृजन दिनांक 1 नवम्बर, 2012 को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित नैनीताल अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन के पश्चात् किया गया। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक राज्य के समस्त 13 जनपदों में 237 शाखाओं के विस्तारित तन्त्र के साथ बैंकिंग सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर ग्रामीण अंचलों में जनता को बैंकिंग सुविधायें प्रदान करते हुये राज्य की जनता को सामाजिक व आर्थिक योगदान के साथ-साथ उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा लाभ अर्जित करना एक बड़ी उपलब्धि है।

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नांकित प्रमुख उपलब्धियां प्राप्त की गयी-

- समामेलन की तिथि से बैंक के व्यवसाय में 10.12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ व्यवसाय रू0 3470.57 करोड़। समग्र स्थिति के अनुसार वित्तीय वर्ष 2012-13 में 20.25 प्रतिशत की कुल व्यवसाय वृद्धि।
- वित्तीय वर्ष 2012-13 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की जमा तथा ऋण राशियों में वृद्धि दर उत्तराखण्ड के समग्र बैंकों के औसत वृद्धि दर से अधिक रही है।
- बैंक का लाभ रू0 10.84 करोड़। वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान कुल लाभ रू0 25.88 करोड़।
- बैंक का ऋण जमा अनुपात (CD Ratio) 55.79 प्रतिशत है, जो कि उत्तराखण्ड राज्य के औसत अनुपात से अधिक है।
- उत्तराखण्ड राज्य के आर्थिक विकास के लिये रू0 633.10 करोड़ के ऋण वितरित।
- उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के कुल प्राथमिकता प्राप्त ऋण मानक 60 प्रतिशत के सापेक्ष 81.4 प्रतिशत है जिसमें से रू0 122 करोड़ की आईबीपीसी भारतीय स्टेट बैंक को जारी की गयी है।
- वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य में 14 नयी शाखायें खोली गयी तथा कुल 237 सीबीएस शाखायें। शाखा विस्तार के अनुक्रम में राज्य का दूसरा बड़ा बैंकिंग नेटवर्क।
- वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ग्राहकों हेतु एनईएफटी, आरटीजीएस, ईसीएस, इलेक्ट्रोनिक फण्ड ट्रांसफर, इंटरनेट बैंकिंग, ई-टैक्स, एसएमएस एलर्ट की सुविधा प्रारम्भ की गयी। एटीएम तथा मोबाइल केसीसी की योजना बैंक द्वारा प्रारम्भ की जा रही है।
- तकनीकि उन्नयन के क्षेत्र में बैंक द्वारा अपने किसान ग्राहकों को किसान कार्ड की सुविधा प्रदान की गयी है तथा बैंक के खाताधारकों हेतु रूपे एटीएम कार्ड की सुविधा प्रदान की गयी है।
- समस्त शाखाओं पर एसबीआई लाइफ इन्श्योरेन्स कम्पनी लि0 तथा नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि0 के उत्पाद उपलब्ध। वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान 2 एमडीआरटी बनाये गये।
- बैंक में इन्कम टैक्स हेतु पैन कार्ड, एनआरओ/एनआरई खाते खोलने, विदेशों से धनान्तरण हेतु वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर, क्रास सेलिंग की सुविधा प्रदान की गयी है।
- प्रत्येक बचत खाताधारक को रू0 1 लाख का मुफ्त दुर्घटना बीमा प्रदान किया गया।
- सुदूरवर्ती गांवों में बैंकिंग सुविधा प्रदान करने के लिये 118 व्यवसाय प्रतिनिधि नियुक्त तथा 07 अल्ट्रा स्मॉल शाखाओं की स्थापना।
- बैंक द्वारा बेरोजगारों के प्रशिक्षण के लिये स्थापित आर-सेट संस्थान पिथौरागढ़ में निरन्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के कल्याण व स्वरोजगार सृजन के लिये राष्ट्रीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम के साथ गठबन्धन कर सस्ते ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रारम्भ की गयी।
- उत्तराखण्ड शासन के सहयोग से एलपीजी गैस हेतु आसान शर्तों पर ऋण सुविधा ''ग्रामीण गैस कनैक्शन योजना'' प्रारम्भ की गयी। आसान शर्तों पर तथा सब्सिडी के साथ सौर उर्जा उपकरण क्रय के लिये ऋण सुविधा उपलब्ध।
- बैंक द्वारा जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर, टिहरी, हरिद्वार तथा पिथौरागढ़ में वित्तीय जागरूकता केन्द्रों की स्थापना की गयी है।
- बैंक द्वारा स्थापित यूजीबी आर्टगैलरी में निरन्तर कला प्रदर्शनियों का आयोजन।
- बैंक का सर्वांगीण विकास, सम्माननीय ग्राहकों की बैंक में निष्ठा, समस्त स्टाफ की कार्य के प्रति लगन तथा समर्पित भाव का सशक्त परिणाम है। आगामी वर्षों में भी बैंक राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु सतत् समर्पित है।
- समस्त शाखाओं पर उत्तम साज-सज्जा तथा एकरुपता
- प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की कवरेज।

सुनहरे भविष्य की कामना के साथ -

यशपाल अरोड़ा

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

प्रधान कार्यालय 18, न्यू रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड

निदेशक मण्डल

अध्यक्ष : श्री यशपाल अरोड़ा

निदेशक :

अ- केन्द्र द्वारा नामित

1. श्री शिशिर कुमार
सहायक महाप्रबन्धक,
भारतीय रिजर्व बैंक,
उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय,
देहरादून, उत्तराखण्ड

3. गैर शासकीय निदेशक
रिक्त

2. श्री कमर जावेद
सहायक महाप्रबन्धक,
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक,
उत्तराखण्ड क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड।

4. गैर शासकीय निदेशक
रिक्त

ब- प्रायोजक बैंक द्वारा नामित

1. श्री दिवाकर भट्ट
उप महाप्रबन्धक,
भारतीय स्टेट बैंक,
उत्तराखण्ड आंचलिक कार्यालय,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

2. श्री रबिन्द्र शर्मा
सहायक महाप्रबन्धक
भारतीय स्टेट बैंक,
उत्तराखण्ड आंचलिक कार्यालय,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

स- राज्य सरकार द्वारा नामित

1. श्री इन्दुधर बौड़ाई (IAS)
अपर सचिव (ग्राम्य विकास),
उत्तराखण्ड शासन,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

2. श्री एल.एन. पन्त
अपर सचिव (वित्त),
उत्तराखण्ड शासन,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

निदेशक मण्डल

श्री यशपाल अरोड़ा

श्री शिशिर कुमार

श्री कमर जावेद

रिक्त

गैर शासकीय निदेशक

रिक्त

गैर शासकीय निदेशक

श्री दिवाकर भट्ट

श्री रबिन्द्र शर्मा

श्री इन्दुधर बौड़ाई (IAS)

श्री एल.एन. पन्त

गतिविधियाँ वर्ष 2012-2013

पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक एवं नैनीताल-अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन के बाद उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय में आयोजित प्रथम बोर्ड मीटिंग में निदेशक मण्डल सदस्य श्री दिवाकर भट्ट, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, उत्तराखण्ड, श्री कमर जावेद, सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय, उत्तराखण्ड, श्री रबिन्द्र शर्मा, सहायक महाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, उत्तराखण्ड, श्री एल0एन0 पन्त, अपर सचिव (वित्त), उत्तराखण्ड शासन एवं श्री यशपाल अरोड़ा, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक।

पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक एवं नैनीताल अल्मोड़ा-क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन के बाद अस्तित्व में आये उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा क्षेत्रीय प्रबंधकों हेतु आयोजित प्रथम संरचनात्मक बैठक में अध्यक्ष, श्री यशपाल अरोड़ा, महाप्रबंधक श्री जी0के0 दीक्षित, श्री अनिल कुमार वर्मा, श्री जगदीश कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री बी0डी0एस0 रावत, क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़ एवं हल्द्वानी, क्षेत्रीय कार्यालयों एवं प्रधान कार्यालय के अधिकारीगण।

पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक द्वारा समामेलन से पूर्व आहूत निदेशक मण्डल की बैठक में श्री एम0जी0 सुप्रभात, सहायक महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, श्री दिवाकर भट्ट, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री पंकज शर्मा, सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री एस0सी0 बडोनी, अपर सचिव (ग्राम्य विकास), श्री एल0एन0 पन्त, अपर सचिव (वित्त), श्रीमती रैजा चौधरी, एडवोकेट एवं श्री यशपाल अरोड़ा, अध्यक्ष।

HIGHLIGHTS
01.04.2012 to 31.03.2013

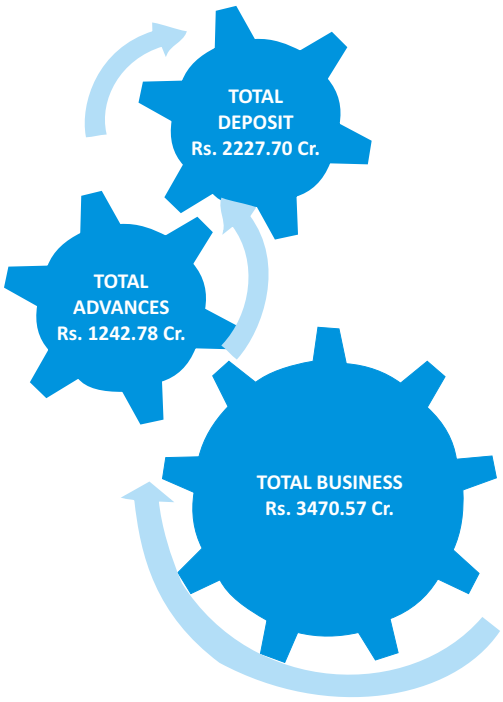

- 2nd LARGEST NETWORK OF 237 BANK BRANCHES
- 02 OFFICERS QUALIFIED FOR MDRT UNDER SBI LIFE INSURANCE
- IT INITIATIVES - NEFT, RTGS, e-TAX, SMS ALERT, INTERNET BANKING (NON FINANCIAL)
- 118 BUSINESS CORRESPONDENTS APPOINTED UNDER FINANCIAL INCLUSION
- 05 Financial Literacy Centres and 07 Ultra Small Branches opened

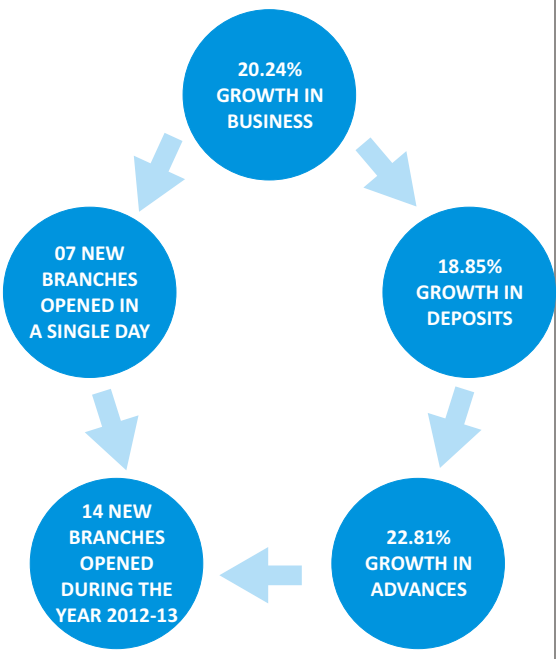

बैंक का प्रशासनिक स्वरुप

श्री यशपाल अरोड़ा
अध्यक्ष
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री जगदीश कुमार
महाप्रबन्धक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री सूरज भान केम
महाप्रबन्धक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री बी.डी.एस. रावत
मुख्य सतर्कता अधिकारी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री टी.एस. बड़वाल
मुख्य निरीक्षक
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री जे.सी. नैनवाल
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ, हल्द्वानी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री पी.एस. जंगपांगी
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-तृतीय, पिथौरागढ़
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री एल.एस. बड़वाल
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-प्रथम, देहरादून
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

श्री नरी राम जौहरी
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-द्वितीय, पौड़ी
(प्रायोजक बैंक से प्रतिनियुक्त)

प्रधान कार्यालय के आन्तरिक विभाग एवं कार्यरत अधिकारी

- **श्री महिपाल सिंह डसीला**
  (वरिष्ठ प्रबंधक-बोर्ड एवं सचिवालय)
- **श्री रमाकान्त मैठाणी**
  (वरिष्ठ प्रबंधक-आई.टी.)
- **श्री प्रवेश नौटियाल**
  (वरिष्ठ प्रबंधक-लेखा)
- **श्री डी.एस. बिष्ट**
  (प्रबंधक-वसूली)
- **सुश्री मधु मैखुरी**
  (प्रबंधक-योजना एवं विकास)
- **श्री संजय कुमार पसबोला**
  (प्रबंधक-ऋण)
- **श्री पराशर दत्त जोशी**
  (प्रबंधक-मानव संसाधन)
- **श्री एल.पी. डंडरियाल**
  (संवर्ती लेखापरीक्षक)
- **श्री अनिल त्रिपाठी**
  (निरीक्षक)
- **श्री रवि भारद्वाज**
  (निरीक्षक)
- **श्री अनिल उनियाल**
  (निरीक्षक)
- **श्री गिरीश चन्द्र डबराल**
  (निरीक्षक)
- **श्री के.एस. रावत**
  (निरीक्षक)
- **श्री देवेश जोशी**
  (निरीक्षक)

बैंक की पृष्ठ भूमि

उत्तराखण्ड राज्य (पूर्ववर्ती उत्तरांचल) भारत के उत्तरी भाग में स्थित राज्य है। सम्पूर्ण राज्य में विस्तृत कई पवित्र हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था के केन्द्रों के कारण प्राय: इसे ''देवताओं की भूमि'' कहा जाता है। उत्तराखण्ड मुख्यत: हिमालय, भाबर एवं तराई में व्याप्त प्राकृतिक सुन्दरता के लिये जाना जाता है। भारतीय गणराज्य का यह 27वां राज्य, 09 नवम्बर 2000 को हिमालयी क्षेत्र तथा समीपवर्तीय राज्य उत्तर प्रदेश के उत्तर पश्चिमी जनपदों को सम्मिलित कर पृथक रूप से बनाया गया है। उत्तर में यह तिब्बत के साथ, सुदूर पश्चिम में महाकाली क्षेत्र के साथ, पूर्व में नेपाल के साथ दक्षिण में उत्तर प्रदेश के साथ तथा उत्तर पश्चिम में हिमाचल प्रदेश के साथ सीमा बनाता है। कुल 13 जिलों के साथ, राज्य 02 मण्डलों, गढ़वाल मण्डल एवं कुमायूँ मण्डल में विभक्त है। राज्य की अस्थायी राजधानी देहरादून है जो राज्य का सबसे बड़ा शहर है, जो रेल मार्ग तथा वायु मार्ग से जुड़ा हुआ है। राज्य का उच्च न्यायालय नैनीताल में है। पुरातात्विक प्रमाण यहां मनुष्य के प्रागैतिहासिक काल से अस्तित्व में होने की पुष्टि करते हैं।

गढ़वाली तथा कुमाउँनी दो स्थानीय भाषायें हैं जबकि हिन्दी भी व्यापक रूप से बोली जाती है। उत्तराखण्ड ही एकमात्र ऐसा राज्य है जहां संस्कृत को अधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। हिन्दुत्व की दो मुख्य नदियों, गंगा का उद्गम गंगोत्री में तथा यमुना का उद्गम यमुनोत्री में, यहीं है। इन दोनों के साथ बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मिलकर लघु चारधाम कहलाते हैं जो हिन्दुओं के लिये पवित्र धार्मिक स्थल हैं।

इस क्षेत्र के नृत्य मानव जीवन से जुड़ें हुये हैं तथा मनुष्य की विविध भावनाओं को प्रदर्शित करते हैं। संगीत, उत्तराखण्ड संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रमुख स्थानीय गीत मंगल, बासन्ती, खुरेड़ चौपती आदि है जो ढोल, दमाउ, तुरी, रणसिंहा, ढोलकी, ढौर, थाली, भंकोरा तथा मसकबाजा जैसे वाद्य यंत्रों के साथ गाये जाते हैं। संगीत को ईश्वर तक पहुंचने के साधन के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। जागर, एक प्रकार की आराधना है जिसमें गायक अथवा जागरिया ईश्वर की स्तुति करता है, जो रामायण तथा महाभारत जैसे महाग्रन्थों से प्रभावित होते हैं तथा ईश्वर के कृत्यों का वर्णन करते हैं।

विषम क्षेत्र होने के कारण उच्च पौष्टिकता वाले मोटे अनाज अति लोकप्रिय है। कुमाउँ के सुदूरवर्ती भागों में अन्य अनाज जैसे मडुवा प्रसिद्ध है। बासमती चावल, गेहूँ, सोयाबीन, मूंगफली, मोटा अनाज, दालें तथा तिलहन प्रमुख रूप से यहां पैदा किया जाता है। सेब, सन्तरे, आडू, नाशपाती, लीची तथा खुबानी आदि प्रचुर मात्रा में पैदा होता है, जो वृहत्त फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के लिये अति महत्वपूर्ण है। राज्य में लीची, बागवानी, जड़ी-बूटियों, औषधीय पौधों एवं बासमती चावल के लिये कृषि निर्यात क्षेत्र बनाये गये हैं।

इसके अतिरिक्त पर्यटन एवं जलविद्युत भी मुख्य उद्योग है, तथा आई0टी0, आई0टी0ई0एस0, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स तथा ओटोमोबाइल उद्योग में भी पर्याप्त विकास किया गया है। वर्ष 2005-2006 के दौरान राज्य द्वारा 03 प्रमुख समेकित औद्योगिक क्षेत्रों (आई0आई0ई0), हरिद्वार, पन्तनगर तथा सितारगंज का, सेलाकुई में फार्मा सिटी, आई0टी0 पार्क, सहस्त्रधारा, देहरादून को इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी पार्क तथा सिगड़ी, कोटद्वार को ग्रोथ सेन्टर के रूप में विकसित किया गया है। वर्ष 2006 में राज्य में 20 औद्योगिक क्षेत्र पीपीपी मोड पर विकसित किये गये हैं।

उत्तराखण्ड कई दुर्लभ पौधों एवं प्रजातियों का घर है जिसमें से कई सेन्क्चुरीज तथा रिजर्व के द्वारा संरक्षित की गयी है। उत्तराखण्ड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (भारत का सबसे प्राचीन नेशनल पार्क) रामनगर, नैनीताल तथा फूलों की घाटी नेशनल पार्क व नन्दा देवी नेशनल पार्क चमोली जिले में है जो संयुक्त रूप से यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में जाना जाता है। इस घाटी में कई पौधों की प्रजातियां पायी जाती हैं जो विश्व में केवल उत्तराखण्ड में ही पायी जाती है। राजाजी नेशनल पार्क, हरिद्वार जिले में, गोविन्द विहार नेशनल पार्क तथा सेन्क्चुरी तथा गंगोत्री नेशनल पार्क उत्तरकाशी, राज्य में कुछ अन्य संरक्षित क्षेत्र हैं।

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक

स्थापित : 01.11.2012

कार्यक्षेत्र: जिला देहरादून, हरिद्वार, टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी, चमोली, रूद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं ऊधमसिंह नगर (समस्त उत्तराखण्ड राज्य)

बैंक की प्रगति : एक दृष्टि में

(राशि हजारों में)

क्र.सं.	विवरण	01.11.2012	31-03-2013
I	**प्रमुख प्रगति सूचकांक :**		
1	कार्यक्षेत्र में जिलों की संख्या	13	13
2	शाखाओं की संख्या		
	(अ) ग्रामीण	187	193
	(ब) अर्धशहरी	32	34
	(स) शहरी	10	10
	(द) महानगरीय	–	–
3	कुल स्टाफ (प्रायोजक बैंक स्टाफ के अतिरिक्त) जिसमें से	860	824
	अधिकारी	467	457
4	जमा राशियां	20455151	22277920
	वृद्धि प्रतिशत	9.13*	8.91**
5.	उधार अवशेष	1579786	1533186
	वृद्धि प्रतिशत	31.09	-2.95
6	सकल ऋण एव अग्रिम अवशेष	11060464	12427791
	वृद्धि प्रतिशत	9.30	12.36
	6 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण	8992303	10122078
	6 में से अनु. जाति/जनजाति ऋण	1122862	1487056
	6 में से लघु सीमान्त कृषक खेतीहर मजदूरों को ऋण	2447084	2773678
	6 में से अल्पसंख्यकों को ऋण	430102	436025
7	ऋण जमा अनुपात	54.07	55.79
8	1. निवेश अवशेष (सावधि जमा रहित)	5167873	5333032
	वृद्धि प्रतिशत	1.84	3.20
	i. सांविधिक तरल निधि निवेश	4704540	4796574
	ii. गैर सांविधिक तरल निधि निवेश (सावधि जमा रहित)	463333	536458
	बैकों के साथ चालू खाता अवशेष	200347	382111
	बैंकों के साथ सावधि जमा अवशेष	6772739	7056253
II	**औसत :**		
9	औसत जमा राशियां	19735494	19844972
	वृद्धि प्रतिशत	19.08	0.55
10	औसत उधार	1435399	1429566
	वृद्धि प्रतिशत	52.18	-0.41
11	औसत ऋण एवं अग्रिम अवशेष	10793614	10940453
	वृद्धि प्रतिशत	16.57	1.36

*वृद्धि प्रतिशत दिनांक 01-04-2012 से 01-11-2012 तक (सात माह)

**वृद्धि प्रतिशत दिनांक 02-11-2012 से 31-03-2013 तक (पाँच माह)

12	औसत निवेश (सावधि जमा रहित)	5199456	5113524
	वृद्धि प्रतिशत	3.16	-1.65
	औसत गैर सांविधिक तरल निधि निवेश	4723467	4644159
	औसत गैर सांविधिक तरल निधि निवेश (सावधि जमा रहित)	475989	469365
	औसत निवेश का औसतन जमाओं में प्रतिशत	26.35	25.77
13.	औसत कार्यशील पूँजी	24382801	24775491
III	**ऋण वितरण :**		
14	वर्ष के दौरान कुल ऋण वितरण	3113876	6330975
	14 में से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण	2420624	4848523
	14 में से गैर लक्ष्य समूह को ऋण	693252	1482452
	14 में से अनु. जाति/जनजाति को ऋण	193068	289039
	14 में से लघु सीमान्त कृषकों/खेतिहर मजदूरों को ऋण	1019211	1957377
IV	**उत्पादकता :**		
15	प्रति शाखा	137623	146438
16	प्रतिकर्मी	*36183	*41664
V	**वसूली प्रगति :**		
	सकल (30 जून 2012 तक)		
	मांग	5010299	5010299
	वसूली	4100045	4100045
	अतिदेय	910254	910254
	वसूली प्रतिशत	81.83	81.83
17	कृषि क्षेत्र		
	मांग	1906726	1906726
	वसूली	1451183	1451183
	अतिदेय	455543	455543
	वसूली प्रतिशत	76.11	76.11
18	गैर-कृषि क्षेत्र		
	मांग	3103573	3103573
	वसूली	2648862	2648862
	अतिदेय	454711	454711
	वसूली प्रतिशत	85.35	85.35
VI	**आस्ति वर्गीकरण :**		
19	मानक आस्ति	10326663	11605736
	अवमानक आस्ति	318469	360568
	संदिग्ध आस्ति	393611	425419
	हानिप्रद आस्ति	21721	36068
	योग	**11060464**	**12427791**
20	मानक आस्तियों का सकल ऋण व अग्रिम शेष में प्रतिशत	93.37	93.39
	सकल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	6.63	6.61
	निवल अनर्जक आस्ति प्रतिशत में	4.15	4.58
VII	**लाभप्रदता विश्लेषण**		
21	प्रदत्त ब्याज		

*प्रायोजक/अन्य स्टाफ सहित

	जमा राशियों पर	724010	1280840
	उधार पर	42365	81244
22	वेतन	228040	394342
23	अन्य परिचालन लागत	109271	241340
24	वर्ष के दौरान प्रावधान		
	अलाभकारी आस्तियों के विरूद्ध	21599	20386
	अन्य प्रावधान	–	–
25	अर्जित ब्याज		
	ऋण एवं अग्रिमों पर	679677	1187192
	प्रायोजक बैंक/अन्य बैंकों में सावधि जमा/चालू खाते पर	355042	633588
	सांविधिक चल निधि निवेश पर	193651	343640
	गैर सांविधिक चलनिधि निवेश पर	17489	33130
26	विविध आय	29879	79471
27	लाभ/हानि		
	कर पूर्व लाभ	150380	108419
	कर पश्चात् लाभ	105385	77065
VIII	**अन्य सूचनाएं :**		
28	अंश पूँजी जमा प्राप्त	381486	381486
29	डी.आई.सी.जी.सी.	–	–
	निस्तारित दावे (क्रमागत)	–	–
	प्राप्त किन्तु लम्बित दावे	–	–
30	क्रमागत प्रावधान	–	–
	अलाभकारी आस्तियों के सापेक्ष	256518	251247
	अन्य अशासनीय आस्ति के सापेक्ष	9765	9765
31	अप्राप्त ब्याज		
	वर्ष के दौरान	9486	8826
	क्रमागत	18016	13445
32	बट्टे खाते में डाले गए ऋण		
	खातों की संख्या	14	27
	राशि (कल्पित ब्याज छोड़कर)	427	608
33	संचित हानि	–	–
34	प्रारक्षित निधि	1261705	1333980

वर्ष 2012-13 हेतु निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक का निदेशक मण्डल उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन (2012-13) 31 मार्च 2013 को समाप्त अवधि के लिए अंकेक्षित तुलन पत्र तथा दिनांक 02.11.12 से 31.03.13 की अवधि हेतु लाभ एवं हानि खाता प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव करता है।

1. संक्षिप्त परिचय :

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 23ए उपधारा (1) के अंतर्गत 01 नवम्बर, 2012 को भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन के आदेशानुसार उत्तराखण्ड राज्य में, देश के प्रमुख वाणिज्यिक बैंक, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित उत्तरांचल ग्रामीण बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित नैनीताल अल्मोड़ा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के समामेलन के उपरान्त उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक परिचालन में आया। तदनुसार बैंक का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल मंडल के देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, हरिद्वार, पौड़ी, चमोली, रूद्रप्रयाग एवं कुमांऊ मण्डल के पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं उधम सिंह नगर जिलों तक विस्तारित है।

बैंक का प्रधान कार्यालय, देहरादून जो कि उत्तराखण्ड राज्य की अस्थाई राजधानी है, में स्थापित किया गया है। बैंक का कार्य क्षेत्र, जो राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण इलाके में फैला हुआ है, विरल जनसंख्या घनत्व वाला भूभाग है तथा यह क्षेत्र विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं मनोहारी पर्यटक स्थलों के लिए विख्यात है। जल संसाधनों का आधिक्य होने पर भी इस क्षेत्र में सिंचाई की नगण्य सुविधायें हैं तथा कृषकों को कृषि के पारम्परिक साधनों का प्रयोग करने को बाध्य होना पड़ता है। बासमती चावल, गेहूँ, सोयाबीन, मूंगफली, मोटा अनाज, दालें तथा तिलहन प्रमुख रूप से यहां पैदा किया जाता है। इसके अतिरिक्त पर्यटन एवं जल विद्युत भी मुख्य उद्योग है।

2- संगठनात्मक ढांचा :

बैंक का संगठनात्मक ढांचा 3 प्रशासनिक स्तरों में विभाजित है। इसके आधार पर शाखा प्रबन्धकों द्वारा संचालित शाखा कार्यालय हैं, जो क्षेत्रीय प्रंबधकों द्वारा संचालित क्षेत्रीय कार्यालयों के अर्न्तगत कार्यरत हैं। इन सभी का सर्वोच्च नियन्त्रण प्रधान कार्यालय में निहित है। वर्तमान में बैंक में 4 क्षेत्रीय कार्यालय, क्रमशः क्षेत्रीय कार्यालय प्रथम देहरादून, क्षेत्रीय कार्यालय द्वितीय पौड़ी, क्षेत्रीय कार्यालय तृतीय पिथौरागढ़ एवं क्षेत्रीय कार्यालय चतुर्थ हल्द्वानी हैं। 11 अनुषंगी कार्यालयों एवं दो विस्तार पटलों के साथ इनके अन्तर्गत क्रमशः 67, 60, 35 एवं 75 शाखा कार्यालय कार्यरत हैं।

शाखा तन्त्र

बैंक का परिचालन क्षेत्र उत्तराखण्ड के समस्त, 13 जिलों को सम्मिलित करते हुए 237 शाखाओं का प्रभावीतन्त्र है। निरन्तर कारोबार वृद्धि के लिए सुदृढ़ रणनीति के तहत बैंक ने अपने परिचालन क्षेत्र में ग्राहक आधार में वृद्धि हेतु वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान अपने शाखा तंत्र में चौदह नयी शाखाओं (समामेलन के पश्चात् 08 शाखाओं) को जोड़ते हुए विकसित किया है। समामेलन के पश्चात् बैंक अपने 4 क्षेत्रीय कार्यालयों, 237 शाखाओं, 11 अनुषंगी कार्यालयों, 02 विस्तार पटलों के संजाल के माध्यम से अपने ग्राहकों को बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध करा रहा है। शाखाओं का जिलेवार विवरण निम्न प्रकार है :

क्रमांक	जनपद	क्षेत्रीय कार्यालय	शहरी शाखायें	अर्धशहरी शाखायें	ग्रामीण शाखायें	अनुषंगी कार्यालय	विस्तार पटल
1.	देहरादून	I	06	06	20	01	–
2.	टिहरी	I	-	01	19	03	–
3.	उत्तरकाशी	I	–	01	05	–	–
4	हरिद्वार	I	02	05	02	–	–
5	पौड़ी	II	–	04	35	04	-

6	चमोली	II	–	02	11	02	–
7	रूद्रप्रयाग	II	–	–	08	01	–
8	पिथौरागढ़	III	–	03	25	–	–
9.	चम्पावत	III	–	01	06	–	–
10.	नैनीताल	IV	02	02	23	–	01
11.	अल्मोड़ा	IV	–	03	20	–	–
12.	बागेश्वर	IV	–	01	12	–	–
13.	ऊधमसिंह नगर	IV	–	05	07	–	01
	योग	**04**	**10**	**34**	**193**	**11**	**02**

बैक का कार्यक्षेत्र ग्रामीण जनसंख्या युक्त होने के कारण, इसकी 193 शाखाएं ग्रामीण, 34 शाखायें अर्द्धशहरी तथा 10 शहरी श्रेणी की शाखाएं हैं। 02 नवम्बर 2012 से 31 मार्च 2013 की अवधि में बैंक द्वारा भारत सरकार के वित्तीय समावेशन सम्बन्धित निर्देशों के अनुरूप 08 नई शाखायें खोली गई हैं जिनका विवरण निम्नवत् दिया जा रहा है–

वित्तीय वर्ष 2012-13

(02 नवम्बर 2012 से 31 मार्च 2013 की अवधि में खोली गयी नयी शाखायें)

क्र.	शाखा	जनपद	शाखा खोलने की तिथि
1	लालपुर	पौड़ी	30.03.2013
2	विकासभवन	पौड़ी	30.03.2013
3	गुप्तकाशी	रूद्रप्रयाग	30.03.2013
4	तीनपानी	नैनीताल	30.03.2013
5	टांडामल्लू	नैनीताल	30.03.2013
6	छड़ायल नयाबाद	नैनीताल	30.03.2013
7	कंजाबाग	उ0सि0 नगर	30.03.2013
8	सितारगंज	उ0सि0 नगर	31.03.2013

3. अंशपूंजी :

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 की धारा 5 के अनुसार बैंक की प्राधिकृत शेयर पूँजी रू. 500 लाख और अभिदत्त पूर्ण रूप से प्रदत्त पूँजी रू. 400 लाख है जो भारत सरकार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तथा उत्तराखण्ड सरकार द्वारा क्रमशः 50:35:15 के अनुपात में है, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको के वित्तीय पुनः संरचना के अन्तर्गत तुलन पत्र के परिमार्जन के आश्रय के रूप में शेयरधारको से बैंक को रू. 3814.86 लाख प्राप्त हुए हैं। दिनांक 31.03.2013 को इसका ब्यौरा निम्नवत है:-

(राशि हजारों में)

विवरण का अंश	केन्द्र सरकार का अंश	प्रायोजक बैंक का अंश	राज्य सरकार का अंश	योग
जारी की गयी अंश पूंजी	20000	14000	6000	40000
अंश पूंजी जमा (स्वीकृत)	190743	133520	57223	381486
अंश पूंजी जमा (प्राप्त)	190743	133520	57223	381486

4. आरक्षित निधि एवं अधिशेष :

रू. 1084.19 लाख (कर से पूर्व) के लाभ में से रू. 722.76 लाख की राशि को आरक्षित निधि में अंतरित किया गया। दिनांक 31.03.13 की स्थिति के अनुसार आरक्षित निधि रू. 13339.80 लाख है जो 01.11.2012 में रू. 12617.05 लाख थी। निम्नवत तालिका में सम्पूर्ण विवरण दर्शाया गया है:- (राशि हजारों में)

विवरण	01-11-12	31-03-13
आरक्षित निधि एवं अधिशेष	1261704	1333980

5. जमा राशियां :

जमा संग्रहण बैंक के लाभप्रद परिचालन की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है। समामेलन की तिथि 01 नवम्बर 2012 में पूर्ववर्ती बैंकों के संकलित जमा स्तर रू0 204551.51 लाख की तुलना में समामेलित बैंक का दि0 31.03.2013 को रू0 18227.69 लाख (8.91 प्रतिशत) की जमा वृद्धि के साथ रू0 222779.20 लाख पर पहुंच गया है। मांग जमाओं का अंश दिनांक 01.11.2012 को 50.38% की तुलना में 31.03.13 को 52.01% रहा है। जमाओं की लागत 01.11.12 की तिथि में 6.27% की तुलना में 6.45% रही है। 31.03.13 को प्रति शाखा एवं प्रति कर्मी जमा राशियां क्रमशः रू0 940.00 लाख एवं रू0 267.44 लाख रही है। श्रेणीवार जमा एवं जमा मिश्रण का विवरण निम्नलिखित है :-

(राशि हजारों में)

जमा के प्रकार	01.11.2012			31.03.2013		
	खातों की संख्या	जमा राशि	मिश्रण%	खातों की संख्या	जमा राशि	मिश्रण%
चालू खाता	10989	570262	2.79	11229	801807	3.60
(वृद्धि प्रतिशत)	-	10.72	-	-	40.60	-
बचत बैंक खाता	649796	9734333	47.59	685348	10784714	48.41
(वृद्धि प्रतिशत)	-	1.75	-	-	10.79	-
कुल मांग जमा	**660785**	**10304595**	**50.38**	**696577**	**11586521**	**52.01**
(वृद्धि प्रतिशत)	**-**	**2.20**	**-**	**-**	**12.44**	**-**
सावधि जमा	156055	10150556	49.62	160788	10691399	47.99
(वृद्धि प्रतिशत)	-	17.19	-	-	5.33	-
कुल जमा राशियाँ	**816840**	**20455151**	**100.00**	**857365**	**22277920**	**100.00**
(वृद्धि प्रतिशत)	**-**	**9.13**	**-**	**-**	**8.91**	**-**

6. उधार :

वर्ष 2012-13 में रू0 9500 लाख का पुनर्वित्त अल्पावधि कृषि परिचालन (एसटी एसएओ) मद के अन्तर्गत नाबार्ड से 4.5% ब्याज दर पर तथा मध्यकालीन पुनर्वित्त के अन्तर्गत रू. 2501.61लाख आहरित किया गया है। 2012-13 के लिये पुनर्वित्त की औसत लागत 5.68% रही है। वर्ष 2012-13 के दौरान पुर्नवित्त की स्वीकृत सीमाओं, आहरण एवं पुनर्भुगतान का विवरण निम्नांकित है :-

(राशि हजारों में)

विवरण	बकाया 01.11.2012	स्वीकृत सीमा 2012-13	प्राप्त पुनर्वित्त 2012-13	पुनर्भगतान 2012-13	बकाया 31.03.2013
राष्ट्रीय बैंक से					
अल्पावधि कृषि क्रियाकलाप	844500	950000	519900	414400	950000
अल्पावधि गैर कृषि क्रियाकलाप	-	-	-	-	-
मध्यावधि योजनागत	459257	250161	130000	76765	512492
उप योग	1303757	1200161	649900	491165	1462492

भारतीय स्टेट बैंक से					
अल्पावधि कृषि क्रियाकलाप	–	–	–	–	–
अल्पावधि गैर कृषि क्रियाकलाप	–	–	–	–	–
मध्यावधि गैरयोजनागत	–	–	–	–	–
माँग ऋण/अधिविकर्ष	242906	–	–	222532	20374
उप योग	242906	–	–	222532	20374
अन्य बैंकों से मांग ऋण/ अधिविकर्ष/(एन.एच.एफ.डी.सी.)	33123	26100	20000	2803	50320
महायोग	**1579786**	**1226261**	**669900**	**716500**	**1533186**

पुनर्वित्त के पुनर्भुगतान में वर्ष के दौरान कोई भी चूक नहीं की गयी है। बैंक द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान पुनर्वित्त पर दिनांक 01-11-2012 तक रु0 423.65 लाख तथा 01-11-2012 से 31-03-2013 तक रू0 388.79 लाख एवं अधिविकर्ष सीमाओं पर रू0 12.61 लाख का ब्याज भुगतान किया गया।

7. रोकड़ एवं बैंकों के साथ शेष

व्यवसाय के स्तर, स्थिति एवं प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए बैंक की सभी शाखाओं की रोकड़ धारण सीमा निर्धारित की गयी है। न्यूनतम वांछित रोकड़ शेष का कड़ा अनुप्रवर्तन किया जा रहा है। शाखाओं में रोकड़ शेष, औसत रोकड़ अवशेष, अन्य बैंकों एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष का विवरण निम्नांकित है :-

(राशि हजारों में)

विवरण	01-11-12	31-03-13
वर्ष के अन्त में रोकड़ शेष	211472	209731
वर्ष के दौरान औसत रोकड़ शेष	218329	202722
औसत रोकड़ का औसत जमा में प्रतिशत	1.11	1.02
वांछित सी.आर.आर.	923377	847122
भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष	956632	956632
प्रायोजक बैंक के पास चालू खातों में शेष	135690	227458
पंजाब नेशनल बैंक/अन्य के पास चालू खातों में शेष	64659	154653
प्रायोजक बैंक के पास सावधि जमाओं में शेष	3875964	3838901
अन्य बैंकों के पास सावधि जमा	2896775	3217352
आर.बी.आई. के चालू खातों पर प्राप्त ब्याज	–	–
सावधि जमाओं पर प्राप्त ब्याज	504036	878406

अपनी दैनिक रोकड़ एवं उगाही आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बैंक की शाखाओं द्वारा भारतीय स्टेट बैंक तथा पंजाब नेशनल बैंक की निकटतम शाखाओं में चालू खाते संचालित किए जा रहे हैं।

बैंक अपने नकदी आरक्षित अनुपात का रख-रखाव भारतीय रिजर्व बैंक कानपुर में खोले गए चालू खाते के माध्यम से कर रहा है तथा नियमित अन्तराल पर वांछित सी.आर.आर. का प्रेषण कर रहा है। वर्ष 2012-13 के दौरान बैंक ने सी.आर.आर. के रखरखाव में कोई चूक नहीं की है।

8. निवेश :

बैंक ने संचालक मण्डल के अनुमोदन से अपनी निवेश नीति बनाई है।

एस.एल.आर. रखरखाव के उद्देश्य से, भारतीय स्टेट बैंक की सिक्योरिटी सर्विसेज ब्रान्च मुम्बई/बैंक ऑफ बड़ौदा में बैंक द्वारा खोले गए खाते के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों में निधियों का निवेश किया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रचलित निर्देशों के अनुरूप परिपक्वता तक धारित यह प्रतिभूतियाँ पी.एम.एस. व्यवस्था के अन्तर्गत प्रायोजक बैंक के माध्यम से प्रीमियम/डिस्काउन्ट पर क्रय की जा रही हैं और प्रीमियम परिशोधन प्रतिभूतियों की शेष परिपक्वता अवधि में समान रूप से किया जा रहा है।

मुद्रा बाजार के नाभिकीय केन्द्रों से बैंक के प्रधान कार्यालय की दूरी के दृष्टिगत बैंक ने अपनी गैर सांविधिक चल निधि के अवशेष राशि का प्रमुख भाग प्रायोजक बैंक की मियादी/विशेष मियादी जमाओं में निवेशित किया है, इस प्रकार बैंक की मुद्रा बाजार में भागीदारी नहीं है, तथापि संचालक मण्डल से अनुमोदन के उपरान्त एस0बी0आई0 म्यूचुवल फण्ड की लिक्विड फण्ड में कैश मैनेजमेन्ट हेतु न्यूनतम 3 दिन के लिये अल्पावधि में जमा किया जा रहा है। 31 मार्च 2013 को विभिन्न म्यूचुअल फंड में रू. 1842.75 लाख की राशि निवेशित थी तथा विभिन्न बॉण्डस में रू. 3521.83 लाख की राशि निवेशित थी।

9. ऋण एवं अग्रिम

इस वर्ष रू. 65052.88 लाख के ऋण वृद्धि के लक्ष्य के सापेक्ष रू. 63309.75 लाख का ऋण वितरण किया गया। 01.11.12 को ऋण अवशेष रू0 110604.64 लाख था जो कि, 31 मार्च 2013 में बढ़कर रू0 124277.91 लाख है, जिसमें से दिनांक 31.03.2013 को रू. 101220.78 लाख ऋण प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को दिया गया है। 31.03.13 को प्रति शाखा एवं प्रति कर्मी ऋण राशियाँ क्रमशः रू. 524.38 लाख एवं रू. 149.19 लाख रही हैं। क्रियाकलापवार/क्षेत्रवार ऋणों की स्थिति निम्नानुसार वर्णित है :

क्रियाकलापवार ऋण अवशेष

(राशि हजारों में)

क्रियाकलाप	01.11.2012		31.03.2013	
	खाते	राशि	खाते	राशि
1. फसली ऋण	47186	1744215	48447	1991855
2. कृषि सावधि ऋण	17563	1423547	17937	1480895
3. लघु उद्योग	5858	840108	6016	912474
4. लघु व्यवसाय	20001	4984433	20333	3756737
5. मांग ऋण व अन्य	22021	2068161	25108	4285830
योग	**112629**	**11060464**	**117841**	**12427791**

जिसमें से-					
(i)	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण	90608	8992303	101636	10122078
(ii)	अनुसूचित जाति, जनजाति को ऋण	23555	1122862	31892	1858823
(iii)	अल्पसंख्यकों को ऋण	3498	430102	3587	436025
(iv)	लघु एवं सीमान्त कृषक को ऋण	60784	2447084	61478	2773678
(v)	एस.जी.एस.वाई. ऋण	8844	361343	8572	372228
(vi)	स्पेशल कम्पोनेट प्लान	1522	23503	1523	23474
(vii)	गैर लक्ष्य समूह ऋण	22021	2068161	16205	2305713
(viii)	ऋण जमा अनुपात	-	54.07%	-	55.79%

दिनांक 31.03.13 को बैंक की कुल जमा राशि रू0 222779.20 लाख के विपरीत रू0 124277.91लाख ऋण अवशेष है। बैक का ऋण जमा अनुपात 31.03.2013 में 55.79% है। बैंक के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी वाणिज्यिक बैंकों के औसत ऋण जमानुपात से बैंक का ऋण जमा अनुपात बेहतर है।

10. आय निर्धारण एवं आस्ति वर्गीकरण मानदण्ड :

अ) आस्ति वर्गीकरण :

भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुरूप बैंक द्वारा अपनी आस्तियों का वर्गीकरण कर मानक व गैर निष्पादित आस्तियों के लिये वांछित प्रावधान किया गया है। लाभप्रदत्ता में वृद्धि के उद्देश्य से अलाभकारी आस्तियों में कमी को प्रमुख वरीयता प्रदान की गयी, जिसके कारण दि0 01.11.2012 के सापेक्ष ऋणों में वृद्धि के कारण 31.03.2013 को अलाभकारी आस्तियों का स्तर रू0 7338.01 लाख से बढ़कर इस वर्ष रू0 8220.55 लाख हो गया है। तदानुसार बैंक का समग्र एन.पी.ए. दिनांक 01.11.2012 के 6.63% के सापेक्ष दि0 31.03.2013 को 6.61% रहा है एवं निवल अनर्जक आस्तियों के स्तर भी क्रमशः 4.15% से बढकर 4.58% रहा है। आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण का विवरण निम्नानुसार दिया गया है :-

(राशि हजारों में)

आस्तियाँ	01.11.2012		31.03.2013	
	अवशेष राशि	प्रावधान	अवशेष राशि	प्रावधान
1. मानक आस्ति	10326663	32688	11605736	36228
2. अवमानक आस्ति	318469	32553	360568	34946
3. संदिग्ध आस्ति	393611	202429	425419	180791
4. हानिप्रद आस्ति	21721	21536	36068	35510
योग	**11060464**	**289206**	**12427791**	**287475**
निवल अग्रिम शेष	10773516	-	12163098	-
सकल अलाभकारी आस्तियाँ	733801	-	822055	-
कुल ऋण में %	**6.63**	**-**	**6.61**	**-**
निवल अलाभकारी आस्तियाँ	446853	-	557363	-
निवल ऋण में %	**4.15**	**-**	**4.58**	**-**

ब) अप्राप्त ब्याज :

दिनांक 01.11.2012 से 31.03.2013 की अवधि के दौरान बैंक द्वारा रू0 133.97 लाख की अप्राप्त ब्याज की वसूली की गयी है। अप्राप्त ब्याज से सम्बन्धित आंकड़े निम्नांकित तालिका में दिये गये हैं :

(राशि हजारों में)

विवरण	01.11.12	31.03.13
वर्ष के प्रारम्भ में अप्राप्त ब्याज	18268	18016
(-) वर्ष के दौरान वसूली	9738	13397
वसूली प्रतिशत	53.30	74.36
(+) वर्ष के दौरान वृद्धि	9486	8826
वर्ष के अन्त में अप्राप्त ब्याज	18016	13445

स) प्रावधान :

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप एनपीए हेतु प्रावधान किया गया और दि0 01.11.12 को किये गये एनपीए प्रावधान के सापेक्ष दि. 31.03.13 को रू0 52.71 लाख की कमी हुई है। वर्ष 2012-13 की समाप्ति पर अलाभकारी आस्तियों एवं मानक आस्तियों के लिये क्रमशः रू0 2512.47 लाख तथा रू0 362.28 लाख का प्रावधान शेष था।

द) अलाभकारी आस्ति प्रबन्धन :

दि. 31.03.2013 को अनर्जक आस्तियों का स्तर रू0 8220.55 लाख था। दिनांक 01.11.2012 से दिनांक 31.03.2013 के दौरान अलाभकारी आस्तियों में रू0 882.54 लाख की वृद्धि हुयी। वर्ष 2012-13 में अनर्जक आस्तियों में कमी किये जाने हेतु रू0 6.08 लाख के 27 प्रकरण बट्टे खाते में डाले गये, रू0 8.80 लाख के 22 प्रकरण 'एकबारगी निपटान योजना' के अन्तर्गत निस्तारित किये गये। अनर्जक आस्तियों का तुलनात्मक विवरण निम्नांकित तालिका में दिया गया है।

(राशि हजारों में)

विवरण	01.11.12	31.03.13
वर्ष के प्रारम्भ में अलाभकारी आस्तियाँ	651963	733801
(-) वर्ष के दौरान वसूली/कमी	163914	249928
(+) वर्ष के दौरान वृद्धि	245752	338182
वर्ष के अन्त में अलाभकारी आस्तियाँ	733801	822055

11. वर्षान्तर्गत ऋण वितरण:

बैंक ने वर्ष 2012-13 के दौरान रू0 63309.75 लाख का ऋण वितरण किया। इस वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिये क्रमशः 01 नवम्बर 2012 तक दोनों पूर्ववर्ती बैंकों द्वारा वितरित ऋण तथा उसके पश्चात उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक द्वारा वितरित ऋणों का योग किया गया है।

(राशि हजारों में)

जमा प्रकार	01.11.2012				31.03.2013			
	लक्ष्य		प्राप्ति		लक्ष्य		प्राप्ति	
	खाते	राशि	खाते	राशि	खाते	राशि	खाते	राशि
1. कृषि नकद साख	17612	2020743	17038	910162	17612	2020743	36245	1876521
2. कृषि सावधि ऋण	7622	1369265	3320	302944	7622	1369265	5522	525717

3. लघु उद्योग ऋण	2206	488084	627	107410	2206	488084	1430	269504
4. एस.बी.एफ. सेवाएँ एवं अन्य	8171	2627249	7698	1793360	8171	2627249	15364	3659233
योग	**35611**	**6505341**	**28683**	**3113876**	**35611**	**6505341**	**58561**	**6330975**
जिसमें से								
(क) प्राथमिकता क्षेत्र को	35129	6182341	24589	2420624	35129	6182341	50761	4848523
कुल ऋण वितरण से	–	–	–	77.74	–	–	–	76.58
(ख) गैर प्राथमिक क्षेत्र	482	323000	4094	693252	482	323000	7800	1482452
कुल ऋण वितरण में	–	–	–	22.26	–	–	–	23.42
(ग) अनु0जाति/जनजाति	1058	–	829	193068	1058	–	1489	289039
को ऋण								
(घ) लघु सीमांत	–	–	27565	1019211	–	–	44262	1957377
कृषकों/खेतीहर								
मजदूरों को ऋण								

सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं में वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने में बैंक निरन्तर भागीदार रहा है। सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में बैंक की प्रगति 2012-13 में निम्नांकित है :-

(राशि हजारों में)

क्र.सं.	योजना का नाम	लक्ष्य सं.	प्राप्ति		प्राप्ति %
			सं०	राशि	
1.	एस.जी.एस.वाई.	342	800	117422	234
i)	रिवॉल्विंग फण्ड	–	379	9729	–
ii)	मुख्य गतिविधि	228	191	97064	84
iii)	एकल	114	230	10629	202
2.	एस. सी. पी.	1058	231	12212	22
3.	वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना	43	70	45783	163
4.	पीएमईजीपी	109	212	81859	194
5.	सघन मिनी डेयरी	–	127	10356	–
6.	नवीन सरलीकृत आवास योजना	148	172	7415	116